Need for a mechanism to study glaciers to manage and prevent disasters such as recent glacier outburst in Uttarakhand

श्री अनिल बलूनी (उत्तराखंड): सभापति महोदय, 7 फरवरी को उत्तराखंड के चमोली जिले में केदारनाथ त्रासदी की तरह की भयानक आपदा आई, जिसके लिए राहत कार्य अभी भी जारी है। वहां पर अनेक लोग लापता हैं और अनेक लोग हताहत भी हुए हैं। इससे स्थानीय पावर प्रोजेक्टस को भारी नुकसान हुआ है। ग्रामीणों के खेत, सम्पर्क मार्ग...

श्री सभापति: आपको बोलना है, "Need for mechanism to study glaciers" विषय पर please, otherwise, you will be losing time.

श्री अनिल बलूनी: सर, ग्रामीणों के खेत, सम्पर्क मार्ग, पुल और सामुदायिक स्थलों का नामोनिशान मिट गया है। पूरा उत्तराखंड आज माननीय प्रधान मंत्री जी का आभारी है कि उन्होंने तत्काल घटना का संज्ञान लिया और समूचे आपदा प्रबंधन तंत्र को सक्रिय किया। मान्यवर, उत्तराखंड के लोग कभी भूल नहीं सकते हैं कि जब केदारनाथ की आपदा आई थी...

MR. CHAIRMAN: Please Anil Baluni*ji,* please speak on "Need for mechanism to study glaciers to manage and prevent disasters," this is not a debate, you know that. टाइम नहीं है, you will lose time and then you will not be able to come to the main point.

श्री अनिल बलूनी: सभापति महोदय, हाल के वर्षों में उत्तराखंड में ग्लेशियर टूटने, बादल फटने और भारी भूस्खलन की घटनाओं में वृद्धि हुई है। उत्तराखंड भूकम्प संभावित क्षेत्र भी है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार और विशेषकर पृथ्वी विज्ञान विभाग से अनुरोध करना चाहूंगा कि आपदा की इन परिस्थितियों पर विस्तृत अध्ययन किया जाए ताकि हिमालय, ग्लेशियर्स और नदियों के स्वभाव पर अध्ययन किया जा सके और राज्य के लिए एक आपदा तंत्र विकसित किया जा सके। इससे उत्तराखंड ही नहीं ,देश और दुनिया को भी लाभ होगा।

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार): महोदय, मैं माननीय सदस्य के विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के विषय से अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMEE YAJNIK (Gujarat): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री सभापतिः आप बैठकर भी बोल सकते हैं, खड़े होकर भी बोल सकते हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खरगे (कर्नाटक): सर, खड़े होने की आदत ज्यादा है, इसलिए मैं माफी चाहता हूं।

श्री सभापतिः ठीक है, कोई प्रॉब्लम नहीं है।

Need for establishment of Centre for Excellence in Microwave, wireless and photonics in the Central University, Gulbarga

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (Karnataka): Sir, there is a 'Centre for Excellence in Microwave, Wireless and Photonics' being established in Karnataka for which the State Government has allocated 10 acres of land on lease for 33 years in Bangalore University campus. However, since this Centre is a part of Central University, Gulbarga, it would be better if it is established in Central University of Karnataka, Gulbarga. The Centre for Excellence will develop expertise in defence, space, aviation, communication and energy sectors. It would help students of various departments including Physics, Mathematics, electronics and communications engineering, computer science, etc. Both students and faculty members would have better access to the best faculty, industry experts, research facilities and infrastructure. Sir, the Central University, Gulbarga has ample open space of nearly 850 acres which is given free to the Central University within its campus to house the Centre for Excellence. There is already an operational airport connecting Gulbarga to major cities like New Delhi, Bangalore, etc., as well as has trains and road connectivity. The creation of this establishment in Hyderabad Karnataka region would